

में अन्य वस्तुओं के अतिरिक्त " जैसे कीलों, गल्बनाइज की हुई बाल्टियों, हेड-पैन, पेचों और चटखनियों, तार की बुनी हुई जाली, झलाई किये हुए लोहे और इस्पात के पाइपों के अलावा पशुओं और ट्रैक्टर से चलाये जाने वाले खेती में काम आने वाले औजारों का निर्माण करने की स्वीकृति दी गई है ।

(ग) सरकार के विचाराधीन ऐसे कोई भी प्रस्ताव नहीं हैं ।

रेल तथा सड़क परिवहन में प्रतियोगिता

4501. श्री महाराज सिंह भारती : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेल और सड़क परिवहन की प्रतियोगिता में रेलवे को निरंतर हानि हो रही है और रेलवे ने केन्द्रीय सरकार से मांग की है कि वह राज्य सरकारों के अधिकारों पर रोक लगाये और अन्तर्राज्य मार्गों पर बसें चलाने के परमिट जारी करने का काम अपने हाथ में ले और उनकी संख्या कम करे ताकि लोगों को रेलगाड़ियों में यात्रा करने पर बाध्य किया जा सके ; और

(ख) यदि हां, तो सरकार ने इस बारे में क्या कार्यवाही की है ?

रेलवे मंत्री (श्री चं० मु० पुनाचा) :

(क) रेल-सड़क प्रतियोगिता में रेल प्रशासनों को लगातार हानि नहीं हो रही है । यद्यपि सड़क परिवहन का विस्तार हो रहा है फिर भी रेल द्वारा होने वाला यात्री यातायात लगातार बढ़ रहा है ।

परिवहन मंत्रालय को सुझाव दिया गया है कि अन्तर्राज्य परिवहन आयोग को अन्तर्राज्य परमिट स्वीकृत करने, रद्द करने या निलम्बित करने का अधिकार दिया जाये, जैसा कि मोटर वाहन अधिनियम, 1939 में उपबन्धित है, लेकिन ऐसा इरादा नहीं है कि राज्य सरकारों को इस समय जो अधिकार मिले हुए हैं उन्हें वापस ले लिया जाये या जारी गिये गये पर-

मिटों की संख्या घटा दी जाये, ताकि लोग रेलगाड़ियों से सफर करने को बाध्य हो जायें ।

(ख) जहां तक अन्तर्राज्य परिवहन आयोग के अधिकारों का प्रश्न है, उसकी जांच की जा रही है ।

साहिबाबाद रेलवे स्टेशन पर मुठभेड़

4502. श्री हुकूम चन्द कछवाय : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गाजियाबाद के निकट साहिबाबाद रेलवे स्टेशन पर दूधियों और विद्याधियों के बीच एक मुठभेड़ में 56 व्यक्ति घायल हो गये थे जैसे कि 20 अगस्त, 1967 के "हिन्दुस्तान" में समाचार प्रकाशित हुआ है ;

(ख) यदि हां, तो मुठभेड़ के क्या कारण थे ;

(ग) इस सम्बन्ध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ; और

(घ) इसके परिणामस्वरूप सम्पत्ति को हुई हानि का ब्यौरा क्या है ?

रेलवे मंत्री (श्री चं० मु० पुनाचा) :

(क) जी हां, लेकिन केवल 13 व्यक्तियों को चोटें पहुंचीं ।

(ख) तथाकथित आरोप यह है कि 18-8-67 को कुछ छात्रों ने दूधियों के दूध के बर्तनों से जबरदस्ती दूध ले लिया था । इसके परिणामस्वरूप दूधियों और छात्रों के बीच कहा-सुनी हो गयी और बाद में दोनों तरफ से पत्थर फेंके गये, जिसमें दोनों दलों के लोगों को मामूली चोटें पहुंचीं । 19-8-67 को इस घटना ने विशाल रूप धारण कर लिया, जब कि 2 ए० टी० डी० (दिल्ली-टूंडला-भागुरा सवारी गाड़ी) में यात्रा कर रहे दूधियों ने, पिछले दिन की घटना के बदले के रूप में, साहिबाबाद स्टेशन पर दो छात्रों पर आक्रमण किया । जब कुछ छात्रों ने अपने साथियों को बचाने की कोशिश

की, तो दूधियों ने उन पर भी आक्रमण किया, जिससे छात्रों को गहरी चोटें पहुंचीं।

(ग) साहिबाबाद के सहायक स्टेशन मास्टर ने तुरन्त इस मामले की रिपोर्ट सरकारी रेलवे पुलिस, गाजियाबाद को की। सरकारी रेलवे पुलिस, गाजियाबाद ने अपराध प्रक्रिया संहिता की धारा 147/148 और भारतीय दण्ड संहिता की धारा 323/324 के अधीन इस मामले को, अपराध सं० 193 के रूप में दर्ज कर लिया है और पुलिस अभी इसकी जांच कर रही है।

(घ) इस मुठभेड़ के परिणामस्वरूप सम्पत्ति की हानि की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

सईदराजा और करमनासा रेलवे स्टेशनों के बीच मालगाड़ी की दुर्घटना

4503. श्री हुकम चन्द कछबाय : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हावड़ा से 42 किलोमीटर की दूरी पर सईदराजा और करमनासा रेलवे स्टेशनों के बीच एक मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई जैसा कि 21 अगस्त, 1967 के "हिन्दुस्तान" में समाचार आया है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण थे ; और

(ग) इसके परिणामस्वरूप जन धन की कितनी हानि हुई ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) :

(क) दुर्घटना 20-8-67 को हुई।

(ख) जांच समिति के निष्कर्ष के अनुसार गाड़ी के इंजन से ग्यारहवें माल डिब्बे की पिछली बांगी का स्प्रिंग टूट गया जिसके कारण वह डिब्बा पटरी से उतर गया और फलस्वरूप बारहवें और तेरहवें माल डिब्बे भी पटरी से उतर गये।

(ग) इस दुर्घटना में न कोई मरा और न किसी को चोट पहुंची। रेल सम्पत्ति

को लगभग 30,000 रुपये की हानि होने का अनुमान है।

SOVIET AID FOR INDIAN INDUSTRIES

4504. SHRI INDRAJIT GUPTA : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether he had any talks with the Soviet authorities during his recent visit to Moscow regarding the Soviet aid for Indian Industrial Development in the Fourth Plan period;

(b) if so, the outcome of the talks; and

(c) the extent to which the present recessive conditions in the Indian engineering industry would be relieved by Soviet purchases ?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) :

(a) and (b). During the visit, questions relating to public sector undertakings in the field of Engineering set up in India with Soviet assistance were discussed. The discussions did not relate to any additional Soviet aid for Indian Industrial Development in the Fourth Plan period.

(c) The suggestion has been made that Soviet authorities may assist in the fuller utilisation of the capacity of the undertakings set up with their assistance by making some purchases of the products of these undertaking both to meet their requirements and the requirements of the third countries. The suggestion is under examination.

EXPORT OF JUTE GOODS

4505. SHRI INDRAJIT GUPTA : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether the trend of jute goods exports has recently shown any improvement;

(b) if not, whether Government are considering intervention in the export